IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429 Volume 5, Issue 1, October 2025 Impact Factor: 7.53

/kkj fty d 'k{kf.kd egkfo|ky; e mi;kxdÙkkvk }kjk lpuk [kkt dk v/;;u

Mk- l;n Qghe vyh] cyjke /kko
'kk/k fun'kd] ek/ko fo'ofo|ky; fi.MokMk] fljkgh] jktLFkku
'kk/kkFkh] ek/ko fo'ofo|ky; fi.MokMk] fljkgh] jktLFkku

iLrkouk

डिजिटल युग में, पुस्तकालय संसाधनों को प्रभावी ढंग से नेविगेट करने और उनका उपयोग करने की क्षमता अकादमिक सफलता के लिए महत्वपूर्ण है, खासकर स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों के बीच। इन छात्रों से उन्नत शोध गतिविधियों में संलग्न होने की अपेक्षा की जाती है, जिसके लिए व्यापक साहित्य समीक्षा, डेटा विश्लेषण और विविध स्रोतों से जानकारी के संश्लेषण की आवश्यकता होती है। पुस्तकालय डिजिटल उपकरणों, डेटाबेस और विद्वानों की सामग्री की एक विशाल श्रृंखला तक पहुँच प्रदान करते हैं, जो उच्च गुणवत्ता वाले शोध करने के लिए अपरिहार्य हैं। इन संसाधनों की उपलब्धता के बावजूद, कई छात्र मौलिक शोध कौशल के साथ संघर्ष करते हैं। इस अध्ययन का उद्देश्य इन कौशलों की वर्तमान स्थिति, छात्रों के सामने आने वाली चुनौतियों और मौजूदा पुस्तकालय प्रशिक्षण कार्यक्रमों की प्रभावशीलता का पता लगाना है।

सूचना का प्रभावी उपयोग किसी भी शैक्षणिक संस्थान की सफलता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। आधुनिक युग में सूचना का खोज और उपभोग करने के तरीके तेजी से बदल रहे हैं। विशेष रूप से उच्च शिक्षा संस्थानों में, छात्रों, शिक्षकों और शोधकर्ताओं के लिए सूचना की उपलब्धता और उसकी पहुंच उनके शिक्षण और अनुसंधान की गुणवत्ता को प्रभावित करती है। इस अध्ययन का उद्देश्य मध्य प्रदेश के धार जिले के शैक्षणिक महाविद्यालयों में उपयोगकर्ताओं की सूचना खोजने की प्रवृत्तियों का विश्लेषण करना है। यह अध्ययन बताएगा कि छात्र और शिक्षक सूचना खोजने के लिए किन स्रोतों का उपयोग करते हैं, उनकी प्राथमिकताएँ क्या हैं और उन्हें किन चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। वर्तमान समय में धार जिले के महाविद्यालयों में उपयोगकर्ताओं के द्वारा सुचनाओं की खोज की जा रही है।

धार जिले के महाविद्यालयों में उपयोगकर्ताओं के द्वारा सुचनाओं की खोज के लिए विभिन्न संसाधनों का उपयोग किया जा रहा हैं, जिसमें डिजिटल संसाधन का उपयोग महाविद्यालयों की पुस्तकालय में संसाधनों को प्रभावी ढंग से नेविगेट करने और उनका उपयोग करने की क्षमता अकादमिक सफलता के लिए महत्वपूर्ण है, खासकर स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों के बीच। इन छात्रों से उन्नत शोध गतिविधियों में संलग्न होने की अपेक्षा की जाती है, जिसके लिए व्यापक साहित्य समीक्षा, डेटा विश्लेषण और विविध स्रोतों से जानकारी के संश्लेषण की आवश्यकता होती है। पुस्तकालय डिजिटल उपकरणों, डेटाबेस और विद्वानों की सामग्री की एक विशाल श्रृंखला तक पहुँच प्रदान करते हैं, जो उच्च गुणवत्ता वाले शोध करने के लिए अपरिहार्य हैं। इन संसाधनों की उपलब्धता के बावजूद, कई छात्र मौलिक शोध कौशल के साथ संघर्ष करते हैं। इस अध्ययन का उद्देश्य इन कौशलों की वर्तमान स्थिति, छात्रों के सामने आने वाली चुनौतियों और मौजूदा पुस्तकालय प्रशिक्षण कार्यक्रमों की प्रभावशीलता का पता लगाना है।

सूचना का प्रभावी उपयोग किसी भी शैक्षणिक संस्थान की सफलता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। आधुनिक युग में सूचना का खोज और उपभोग करने के तरीके तेजी से बदल रहे हैं। विशेष रूप से उच्च शिक्षा संस्थानों में, छात्रों, शिक्षकों और

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429 Volume 5, Issue 1, October 2025 Impact Factor: 7.53

शोधकर्ताओं के लिए सूचना की उपलब्धता और उसकी पहुंच उनके शिक्षण और अनुसंधान की गुणवत्ता को प्रभावित करती है। इस अध्ययन का उद्देश्य मध्य प्रदेश के धार जिले के शैक्षणिक महाविद्यालयों में उपयोगकर्ताओं की सूचना खोजने की प्रवृत्तियों का विश्लेषण करना है।

iLrdky; vuqla/kku dk'ky dk voykdu

पुस्तकालय अनुसंधान कौशल में कई प्रकार की दक्षताएँ शामिल हैं जो छात्रों को जानकारी का कुशलतापूर्वक पता लगाने, उसका मूल्यांकन करने और उसका उपयोग करने में सक्षम बनाती हैं। इन कौशलों में लाइब्रेरी कैटलॉग, डेटाबेस और डिजिटल रिपॉजिटरी को नेविगेट करने के तरीके को समझना, साथ ही स्रोतों की विश्वसनीयता और प्रासंगिकता का आलोचनात्मक मूल्यांकन करने की क्षमता शामिल है। प्रभावी पुस्तकालय अनुसंधान कौशल अकादमिक सफलता के लिए आधारभूत हैं, विशेष रूप से स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर, जहाँ शोध परियोजनाओं की जटिलता और दायरा काफी बढ़ जाता है। अध्ययनों से पता चला है कि मजबूत शोध कौशल वाले छात्रों के उच्च–गुणवत्ता वाले अकादमिक कार्य करने और अपने अकादमिक प्रयासों में सफल होने की अधिक संभावना होती है (जॉनस्टन और वेबर, 2003)।

सूचना का प्रभावी उपयोग किसी भी शैक्षणिक संस्थान की सफलता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। आधुनिक युग में सूचना का खोज और उपभोग करने के तरीके तेजी से बदल रहे हैं। विशेष रूप से उच्च शिक्षा संस्थानों में, छात्रों, शिक्षकों और शोधकर्ताओं के लिए सूचना की उपलब्धता और उसकी पहुंच उनके शिक्षण और अनुसंधान की गुणवत्ता को प्रभावित करती है। इस अध्ययन का उद्देश्य मध्य प्रदेश के धार जिले के शैक्षणिक महाविद्यालयों में उपयोगकर्ताओं की सूचना खोजने की प्रवृत्तियों का विश्लेषण करना है। यह अध्ययन बताएगा कि छात्र और शिक्षक सूचना खोजने के लिए किन स्रोतों का उपयोग करते हैं, उनकी प्राथमिकताएँ क्या हैं और उन्हें किन चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

आज के डिजिटल युग में सूचना के स्रोत व्यापक हो गए हैं। इंटरनेट, डिजिटल पुस्तकालय, ऑनलाइन जर्नल, ई–बुक्स, और ओपन–सोर्स प्लेटफॉर्म जैसे संसाधन छात्रों और शिक्षकों के लिए अत्यधिक उपयोगी हैं। हालांकि, कई बार छात्रों को सही और प्रमाणिक जानकारी प्राप्त करने में कठिनाइयाँ होती हैं। इस अध्ययन की आवश्यकता इसलिए है कि इससे यह समझा जा सके कि धार जिले के शैक्षणिक महाविद्यालयों में सूचना की उपलब्धता और उपयोगिता का स्तर क्या है। साथ ही, इससे छात्रों और शिक्षकों की आवश्यकताओं के अनुरूप सूचना संसाधनों को बेहतर बनाने में सहायता मिलेगी।

vdknfed 'kks/k esa fMftVy lalk/kuksa dh Hkwfedk

डिजिटल संसाधनों के आगमन ने अकादमिक शोध में क्रांति ला दी है, जिससे छात्रों को सूचनाओं की एक विशाल श्रृंखला तक अभूतपूर्व पहुँच मिली है। डिजिटल लाइब्रेरी, ऑनलाइन डेटाबेस और इलेक्ट्रॉनिक जर्नल शोध करने के लिए आवश्यक उपकरण बन गए हैं। ये संसाधन कई लाभ प्रदान करते हैं, जिनमें पहुँच में आसानी, व्यापक खोज क्षमताएँ और अद्यतित जानकारी की उपलब्धता शामिल है। हालाँकि, डिजिटल संसाधनों में बदलाव से चुनौतियाँ भी सामने आती हैं, जैसे कि सूचना का अतिभार और उन्नत डिजिटल साक्षरता कौशल की आवश्यकता। शोधकर्ताओं को इन संसाधनों का प्रभावी ढंग से उपयोग करने के लिए खोज इंजन का उपयोग करने, डिजिटल उद्धरणों का प्रबंधन करने और जटिल डेटाबेस को नेविगेट करने में कुशल होना चाहिए (हेड और ईसेनबर्ग, 2009)।

'k{kf.kd vuqla/kku esa fMftVy lalk/kuksa dh Hkwfedk

डिजिटल संसाधनों के आगमन ने शैक्षणिक अनुसंधान में क्रांति ला दी है, जिससे छात्रों को सूचनाओं की एक विशाल श्रृंखला तक अभूतपूर्व पहुँच प्राप्त हुई है। डिजिटल लाइब्रेरी, ऑनलाइन डेटाबेस और इलेक्ट्रॉनिक जर्नल अनुसंधान करने के लिए आवश्यक उपकरण बन गए हैं। ये संसाधन कई लाभ प्रदान करते हैं, जिनमें पहुँच में आसानी, व्यापक खोज क्षमताएँ और अद्यतित जानकारी की उपलब्धता शामिल है। हालाँकि, डिजिटल संसाधनों में बदलाव से चुनौतियाँ भी सामने आती हैं, जैसे कि सूचना का अतिभार और उन्नत डिजिटल साक्षरता कौशल की आवश्यकता। शोधकर्ताओं को इन संसाधनों का प्रभावी ढंग से उपयोग करने के लिए खोज इंजन का उपयोग करने, डिजिटल उद्धरणों का प्रबंधन करने और जटिल डेटाबेस को नेविगेट करने में कुशल होना चाहिए।

ekxZn'kZu iqLrdky; çf'k{k.k dk;Øe

पुस्तकालय प्रशिक्षण कार्यक्रमों का उद्देश्य छात्रों को प्रभावी शोध करने के लिए आवश्यक कौशल से लैस करना है। इन कार्यक्रमों में अक्सर कार्यशालाएँ, ऑनलाइन ट्यूटोरियल और आमने–सामने परामर्श शामिल होते हैं। शोध से संकेत मिलता है कि संरचित पुस्तकालय प्रशिक्षण छात्रों के शोध कौशल और आत्मविश्वास में काफी सुधार कर सकता है (फोस्टर और गिबन्स, 2007)। हालाँकि, इन कार्यक्रमों की प्रभावशीलता अलग–अलग होती है, कुछ अध्ययनों में अधिक व्यापक और सुलभ प्रशिक्षण विकल्पों की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया है। इंटरैक्टिव और व्यावहारिक सीखने के अनुभवों को एकीकृत करने वाले कार्यक्रम छात्रों को जोड़ने और कौशल विकास को बढ़ावा देने में अधिक सफल होते हैं (इवांस और ग्रीन, 2019)।

अगर हम पुस्तकालय प्रशिक्षण कार्यक्रमों में नई तकनीकों, जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और वर्चुअल रियलिटी (VR), को शामिल करें, तो उनकी प्रभावशीलता काफी बढ़ सकती है।

miyC/k lkfgR; dk v/;;u

gMZ vkSj cSlucx] 2009 के अनुसार डिजिटल संसाधनों के आगमन ने शैक्षणिक अनुसंधान में क्रांति ला दी है, जिससे छात्रों को सूचनाओं की एक विशाल श्रृंखला तक अभूतपूर्व पहुँच प्राप्त हुई है। डिजिटल लाइब्रेरी, ऑनलाइन डेटाबेस और इलेक्ट्रॉनिक जर्नल अनुसंधान करने के लिए आवश्यक उपकरण बन गए हैं। ये संसाधन कई लाभ प्रदान करते हैं, जिनमें पहुँच में आसानी, व्यापक खोज क्षमताएँ और अद्यतित जानकारी की उपलब्धता शामिल है। हालाँकि, डिजिटल संसाधनों में बदलाव से चुनौतियाँ भी सामने आती हैं, जैसे कि सूचना का अतिभार और उन्नत डिजिटल साक्षरता कौशल की आवश्यकता। शोधकर्ताओं को इन संसाधनों का प्रभावी ढंग से उपयोग करने के लिए खोज इंजन का उपयोग करने, डिजिटल उद्धरणों का प्रबंधन करने और जटिल डेटाबेस को नेविगेट करने में कुशल होना चाहिए। डिजिटल उपकरण और संसाधनों की उपलब्धता के बावजूद, कई छात्रों को प्रभावी शोध कौशल विकसित करने में महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

dkYlu] 2015 ने अपने शोध अध्ययन में पाया कि सूचना का अतिभार ऑनलाइन उपलब्ध जानकारी की विशाल मात्रा भारी हो सकती है, जिससे छात्रों के लिए प्रासंगिक और विश्वसनीय स्रोतों को फिल्टर करना मुश्किल हो जाता है। सूचना का अतिभार ऑनलाइन उपलब्ध जानकारी की विशाल मात्रा भारी हो सकती है, जिससे छात्रों के लिए प्रासंगिक और विश्वसनीय स्रोतों को फिल्टर करना मुश्किल हो जाता है।

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429 Volume 5, Issue 1, October 2025 Impact Factor: 7.53

c‚mu] 2018 ने सिद्ध किया कि डिजिटल साक्षरता अंतराल में छात्र बुनियादी डिजिटल कार्यों में कुशल हो सकते हैं, उनके पास अक्सर अकादमिक शोध के लिए आवश्यक विशिष्ट कौशल की कमी होती है, जैसे कि उन्नत खोज तकनीक और स्रोतों का महत्वपूर्ण मूल्यांकन किया जा रहा है।

g,QeSu] 2011 dk vuqlkj अपर्याप्त प्रशिक्षण कई शैक्षणिक संस्थान पुस्तकालय संसाधनों का प्रभावी ढंग से उपयोग करने के तरीके पर सीमित निर्देश प्रदान करते हैं, जिससे छात्रों को जटिल प्रणालियों को स्वयं ही समझना पड़ता है।

'kks/k fMtkbu

यह अध्ययन मिश्रित–पद्धति दृष्टिकोण का उपयोग करेगा, जिसमें मात्रात्मक सर्वेक्षण और गुणात्मक साक्षात्कार शामिल होंगे। यह दृष्टिकोण स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों के बीच पुस्तकालय अनुसंधान कौशल की व्यापक जांच की अनुमति देता है, जो कौशल स्तरों पर मात्रात्मक डेटा और छात्रों के सामने आने वाली चुनौतियों और मौजूदा प्रशिक्षण कार्यक्रमों की प्रभावशीलता के बारे में गुणात्मक अंतर्दृष्टि प्रदान करता है।

tula[;k vkSj uewuk

इस अध्ययन के लिए जनसंख्या में कई विश्वविद्यालयों में विभिन्न विषयों के स्नातक और स्नातकोत्तर छात्र शामिल हैं। छात्रों के विविध नमूने का चयन करने के लिए एक उद्देश्यपूर्ण नमूनाकरण तकनीक का उपयोग किया जाएगा, जिससे विभिन्न शैक्षणिक क्षेत्रों और अध्ययन के स्तरों में प्रतिनिधित्व सुनिश्चित होगा। इसके अतिरिक्त, शोध प्रशिक्षण कार्यक्रमों में शामिल पुस्तकालय कर्मचारियों और संकाय को कार्यक्रम डिजाइन और वितरण में अंतर्दृष्टि प्रदान करने के लिए नमूने में शामिल किया जाएगा।

fu'd'kZ

1. वर्तमान समय में सुचनाओं के खोज की प्रवृत्ति शिक्षा क्षेत्र में निरन्तर बढ़ती ही जा रही है।
2. डिजिटल युग में विभिन्न संसाधनों के माध्यम से सुचनाओं को खोजने में मदद मिल रही है।
3. हर महाविद्यालय की पुस्तकालयों में डिजिटल संसाधन उपलब्ध हैं, जिसमें छात्रों के द्वारा उनकी आवश्यकता के अनुसार सुचनाओं को खोजा जा रहा है।
4. कम्प्यूटर प्रणाली वर्तमान समय में सुचनाओं को खोजने में सशक्त माध्यम बनता रहा है।
5. सुचनाओं का आदान प्रदान वर्तमान समय में आसान होना एक प्रकार से नवीन माध्यम माना जा रहा है।

lq>ko

1. महाविद्यायलों में सुचनाओं को सरल बनाने के लिए हर प्रकार के संसाधन उपलब्ध होने चाहिए।
2. शिक्षा प्रणाली में डिजिटल संसाधन महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं, जो कि संसाधन की उपलब्धता पर निर्भर करता है।
3. हर विद्यार्थी के पास कम्प्यूटर एवं एन्ड्राईड मोबाईल उपलब्ध होना चाहिए, ताकि सुचनाओं की खोज आसानी से की जा सके।
4. पुस्तकालयों में संबंधित विषय से संबंधित पुस्तके ऑनलाईन एवं ऑफलाईन माध्यम से उपलब्ध होना चाहिए।
5. वर्तमान समय में हर उपयोगकर्ता को सुचनाओं के फायदे एवं नुकसान के बारे में जानकारी होना अति आवश्यक है।

IJARSCT

International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology

International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal

ISSN: 2581-9429

Volume 5, Issue 1, October 2025

Impact Factor: 7.53

I nHk xiFk I ph

1. विल्सन, टी.डी. (1999), सूचना व्यवहार अनुसंधान में मॉडल, जर्नल ऑफ डॉक्यूमेंटेशन, 55(3), 249—270.
2. सवोलैनेन, आर. (2008), रोजमर्रा की सूचना प्रथाएँरू एक सामाजिक घटनात्मक परिप्रेक्ष्य, लैनहम, एमडी, स्केयरक्रो प्रेस।
3. सिंह, एस. और मिश्रा, आर. (2021), भारतीय उच्च शिक्षा में डिजिटल विभाजन, चुनौतियाँ और समाधान, इंडियन जर्नल ऑफ लाइब्रेरी साइंस, 15(2), 87—102.
4. रेड्डी, वी. और कुमार, पी. (2019). उच्च शिक्षा में डिजिटल संसाधनों का उपयोग, मध्य प्रदेश विश्वविद्यालयों पर एक अध्ययन, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंफॉर्मेशन स्टडीज, 7(1), 45—62.
5. मध्य प्रदेश राज्य शिक्षा रिपोर्ट (2023), उच्च शिक्षा में चुनौतियाँ और अवसर, भारत सरकार प्रेस.
6. भोयर, ए. (2013), आदिवासी बहुल गढ़चिरौली जिले में उच्च शिक्षण संस्थानों में पुस्तकालय संसाधनों के कम उपयोग की समस्या, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन स्टडीज, 3(4), 68—74. ijlis.org
7. जीई, एक्स. (2010) डिजिटल युग में सूचना—खोज व्यवहाररू अकादमिक शोधकर्ताओं का एक बहुविषयक अध्ययन, कॉलेज और अनुसंधान पुस्तकालय, 71(5), 435—455. crl.acrl.org
8. इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ लाइब्रेरी एसोसिएशन एंड इंस्टीट्यूशंस (IFLA) (2015), IFLA स्कूल लाइब्रेरी दिशानिर्देश (दूसरा संस्करण), ifla.org से लिया गया
9. रानी, वाई.एस. (2014), इंजीनियरिंग छात्रों का सूचना खोज व्यवहार, एक अध्ययन, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन स्टडीज, 4(4), 9—16, ijlis-org